University in News on 16 December 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

50 साल बाद एक-दूसरे को देख भावुक हुए पूर्व छात्र

लविवि के भू विज्ञान विभाग में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भू विज्ञान विभाग में 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन लुग्डा-2024 का आयोजन रविवार को किया गया। इस मौके पर पूर्व छात्र एक मंच पर मिले तो भावुक हो गए। इसमें से कई छात्र तो पचास साल बाद एक-दूसरे से दोबारा मिले।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग के अनुभवों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विशिष्ट प्रोफेसर (प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस) के पद पर उद्योग जगत के अनुभवी व्यक्तियों को नियुक्त करने पर जोर दिया, ताकि पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की व्यावसायिक विशेषज्ञता का लाभ विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को मिल सके।

इस मौके पर पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। इस दौरान 1973 और उसके बाद के बैच के पूर्व छात्र शामिल हुए।

प्रो. अशोक साहनी को सम्मानित करते कुलपति व इस दौरान मौजूद पूर्व छात्र। - संवाद

■ **प्रो. अशोक को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड :** विभाग ने प्रसिद्ध भू वैज्ञानिक और पूर्व छात्र प्रो. अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. साहनी को नेशनल जियोसाइंस अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है।

■ **डॉ. धीरज और डॉ. संजय भी सम्मानित :** डॉ. धीरेज पांडेय और डॉ. संजय गोपाल भारथरिया को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कार से नवाजा गया। परमाणु खनिज निदेशालय के प्रबंध निदेशक डॉ. धीरज पांडेय ने यूरेनियम और लिथियम जैसे खनिजों की खोज में अहम योगदान दिया है। वहीं केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय गोपाल भारथरिया ने राष्ट्रीय परियोजनाओं में अपनी भूमिका के लिए यह पुरस्कार प्राप्त किया।

■ **इनको मिला शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार :** कार्यक्रम में स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में अदिति बाजपेई, रश्मि श्रीवास्तव, कल्याणी द्विवेदी, पिमांशिका व संकेत मिश्रा शामिल रहे।

HINDUSTAN PAGE 8

शिक्षा व उद्योगों के बीच खाई पाटते छात्र: कुलपति

पूर्व छात्र सम्मेलन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में रविवार को 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन लुग्डा 2024 का आयोजन हुआ। जो वर्ष 1973 से 2024 तक के पूर्व छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाने, सीखने और स्मृतियां ताजा करने का गवाह बना। ओएनजीसी, एएमडी, बीएसआईपी, एनआईओ, जीएसआई, डीजीएम, आईआईटी समेत कई अन्य संस्थानों से ताल्लुक रखने वाले 135 पूर्व छात्रों ने इसमें प्रतिभाग किया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग के अनुभव शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विशिष्ट प्रोफेसर के पद पर उद्योग जगत के अनुभवी कयक्तियों को नियुक्त करने पर जोर दिया। इस दौरान बीते सुनहरे पल में 50 और 25 वर्ष पुराने बैच के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। इस मौके पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया।

लखनऊ विवि में रविवार को भूविज्ञान विभाग में पूर्व छात्र सम्मेलन हुआ।

डॉ. धीरज, संजय को गौरवशाली पुरस्कार

इस वर्ष परमाणु खनिज निदेशालय के प्रबंध निदेशक डॉ. धीरज पांडेय और केंद्रीय भूजल बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय गोपाल भारथरिया को गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. धीरज ने यूरेनियम और लिथियम जैसे खनिजों की खोज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. संजय गोपाल को राष्ट्रीय परियोजनाओं में उनकी भूमिका के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ। भूविज्ञान विभाग ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक और पूर्व छात्र प्रो. अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया।

लविवि : कल से शुरू होंगी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं

विश्वविद्यालय ने जारी किए प्रवेश पत्र, 282 केंद्रों पर होगी परीक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए विषम सेमेस्टर की परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर जाकर इसे डाउनलोड कर सकते हैं। 17 दिसंबर से शुरू हो रहीं परीक्षाओं के लिए लखनऊ, लखीमपुर, सीतापुर, हरदोई और रायबरेली में परीक्षा के लिए इस बार 282 केंद्र बनाए गए हैं।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में अध्ययनरत स्नातक विषम सेमेस्टर-2024 की बीए, बीएससी और बीकॉम तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो जाएंगी।

यह है तीनों पालियों का कार्यक्रम

■ स्नातक की परीक्षाएं सुबह 8.30 से 10.30 बजे और 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक होंगी। वहीं तीसरी पाली में दोपहर 2:30 से 4:30 तक होंगी।

■ परास्नातक व अन्य विषयों की परीक्षाएं पूर्व की तरह तीन घंटे की होंगी। इसमें सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 तक और दूसरी पाली में दोपहर 1:30 से 4:30 तक परीक्षा होगी।

परीक्षा का शेड्यूल

इस बार बीए तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 दिसंबर से 15 जनवरी तक और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 दिसंबर से 27 जनवरी तक होंगी। बीकॉम एनईपी तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 30 दिसंबर और पांचवें सेमेस्टर की 17 से 27 दिसंबर तक होंगी। इसी तरह बीएससी, बीए सांख्यिकी, गणित व मानवशास्त्र की तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 दिसंबर से छह जनवरी और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 दिसंबर से 15 जनवरी तक होंगी।

केंद्रों पर निरीक्षण के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है। सीसी टीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। केंद्रों पर परीक्षार्थियों को समय से प्रश्नपत्र और कॉपी दी जाएं, इसका विशेष ध्यान रखने के लिए सभी केंद्रों के व्यवस्थापकों को निर्देश दिए गए हैं।

i-NEXT PAGE 4

फिर बदला एलएलएम का एग्जाम प्रोग्राम

तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 के स्थान पर 28 दिसंबर से शुरू होंगी

LUCKNOW (15 DEC): लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलएम विषय सेमेस्टर (सीबीसीएस) के परीक्षा कार्यक्रम में दूसरी बार बदलाव कर दिया है. अब तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 के स्थान पर 28 दिसंबर से शुरू होंगी. वहीं, इंटर डिपार्टमेंटल पेपर की परीक्षाएं 10 के स्थान पर 15 जनवरी को आयोजित की जाएंगी.

यूनिवर्सिटी ने जारी किया नोटिफिकेशन

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है. एलएलएम प्रथम सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 27 दिसंबर से शुरू होंगी. इसमें 13 दिसंबर को प्रस्तावित वैल्यू एडेड/स्किल बेस्ड पेपर की परीक्षा अब 16 दिसंबर को दोपहर 1:30 से शाम 4:30 बजे होगी. वहीं, तीसरे सेमेस्टर में इंटरडिपार्टमेंटल के पेपर टूरिज्म इम्पैक्ट एंड इनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी, लेबर वेलफेयर एंड सोशल सिक्योरिटी, राइट टू इन्फार्मेशन : ए टूल आफ गुड गवर्नेंस की परीक्षा 15 जनवरी को आयोजित की जाएंगी.

JAGRAN CITY PAGE III

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किए गए प्रो. अशोक साहनी

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में लखनऊ यूनिवर्सिटी जियोलाजी डिपार्टमेंट एल्युमिनी एसोसिएशन (लुग्डा)-2024 की ओर से 15वां वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें वर्ष 1963 से 2023 तक के बहुत से पूर्व छात्र, शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल हुए। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय रहे। इस अवसर पर विभाग ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक और पूर्व छात्र प्रो. अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। नेशनल जियोसाइंस अवार्ड से सम्मानित प्रो. साहनी ने भूविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग के अनुभवों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उनकी विशेषज्ञता और अनुभव शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने एवं विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। विभागों को पाठ्यक्रम निर्माण, अतिथि व्याख्यान और परियोजनाओं में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए।

लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में आयोजित 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक और पूर्व छात्र प्रो. अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया ● सौजन्य से लवि

गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कार

समारोह में डा. धीरज पांडे और डा. संजय गोपाल बरथरिया को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। परमाणु खनिज निदेशालय के प्रबंध निदेशक डा. धीरज पांडे ने यूरेनियम और लिथियम जैसे खनिजों की खोज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय गोपाल बरथरिया ने राष्ट्रीय परियोजनाओं में भूमिका के लिए यह पुरस्कार प्राप्त किया।

शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार : कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया। इनमें अदिति बाजपेई, रश्मि श्रीवास्तव, कल्याणी द्विवेदी, पिमांशिका, संकेत मिश्रा शामिल रहे।

पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव : कार्यक्रम के तहत 'बीते सुनहरे पल' में 50 और 25 वर्ष पुराने बैच के पूर्व छात्रों ने अपनी कक्षाएं, प्रयोगशालाएं देखीं। पुराने शिक्षकों से मिलकर अपने अनुभव साझा किए। विश्वविद्यालय में बिताए अपने दिनों को भी याद किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।

एलएलएम का परीक्षा कार्यक्रम फिर बदला

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलएम विषम सेमेस्टर (सीबीसीएस) के परीक्षा कार्यक्रम में दूसरी बार बदलाव कर दिया है। अब तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 के स्थान पर 28 दिसंबर से शुरू होंगी। वहीं, इंटर डिपार्टमेंटल पेपर की परीक्षाएं 10 के स्थान पर 15 जनवरी को आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एलएलएम प्रथम सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 27 दिसंबर से शुरू होंगी। इसमें 13 दिसंबर को प्रस्तावित वैल्यू एडेड/

स्किल बेस्ड पेपर की परीक्षा अब 16 दिसंबर को दोपहर 1:30 से शाम 4:30 बजे होगी। वहीं, तीसरे सेमेस्टर में इंटरडिपार्टमेंटल के पेपर टूरिज्म इम्पैक्ट एंड इनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी, लेबर वेलफेयर एंड सोशल सिक्योरिटी, राइट टू इन्फार्मेशन : ए टूल आफ गुड गवर्नेंस की परीक्षा 15 जनवरी को होगी।

विषम सेमेस्टर परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 17 दिसंबर से शुरू होने वाली स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र रविवार शाम को जारी कर दिए। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर लागिन पासवर्ड के माध्यम से इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

प्रो. अरविंद को मनोविज्ञान विभाग का अतिरिक्त चार्ज

लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष पद का प्रभार कला संकाय के डीन प्रोफेसर अरविंद मोहन को सौंपा गया है। अभी तक डा. अर्चना शुक्ला विभागाध्यक्ष थीं। उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है। यह जानकारी प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

अब 282 परीक्षा केन्द्रों पर होंगी सेमेस्टर परीक्षाएं

आपत्तियों के निस्तारण के बाद बढ़ाए गए 31 परीक्षा केन्द्र

लखनऊ (एसएनबी)। आगामी 17 दिसंवर से शुरू होने वाली स्नतक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र जल्द ही जारी कर दिए जाएंगे। उधर परीक्षा का 15 मिनट समय और वढ़ाने के लिए छात्र नेता आन्दोलन रत है। इसको लेकर भी सोमवार को फैसला होना है।

चार दिन पहले परीक्षा विभाग ने सेमेस्टर परीक्षाओं को लेकर 251 परीक्षा केन्द्रों की टेंटेटिव लिस्ट जारी की थी, जिसे वढ़ाकर अव 282 कर दिया गया है। लखनऊ के कई प्राइवेट कॉलेज में ही परीक्षा केन्द्र वनाए गए हैं, तो वही छोटे-छोटे प्राइवेट कॉलेज में भी परीक्षा केन्द्र वना दिए गए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए परीक्षा केन्द्रों की जो फाइनल सूची जारी की है, इसमें लखनऊ, हरदोई, रायवरेली, सीतापुर व लखीमपुर खीरी जिले को मिलाकर 31 और कालेज जोड़ते हुए अव 282 परीक्षा केन्द्र वनाए गए हैं। विश्वविद्यालय ने पहले जारी सूची में 251 परीक्षा केन्द्र प्रस्तावित किए थे। आपत्तियों के निस्तारण के वाद 31 परीक्षा केन्द्र वढ़ा दिए गए हैं।

PIONEER PAGE 3

पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी संपत्तिः प्रो. आलोक कुमार राय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग ने रविवार को अपने 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन लुग्डा 2024 का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन विभाग और इसके पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने, सीखने और स्मृतियों को ताजा करने का अवसर बना। कार्यक्रम में विभाग के पूर्व छात्र, शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शिक्षा में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग के अनुभवों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विशिष्ट प्रोफेसर (प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस) के पद पर उद्योग जगत के अनुभवी व्यक्तियों को नियुक्त करने पर जोर दिया, ताकि पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की व्यावसायिक विशेषज्ञता का लाभ विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को मिल सके। अपने संबोधन में प्रो. राय ने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उनकी विशेषज्ञता और अनुभव शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने और विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। विभागों को पाठ्यक्रम निर्माण, अतिथि व्याख्यान और परियोजनाओं में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान भूविज्ञान विभाग ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक और पूर्व छात्र प्रो. अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. साहनी, जिन्हें नेशनल जियोसाइंस अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है, ने भूविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं इस वर्ष डॉ. धीरेज पांडे और डॉ. संजय गोपाल भारथरिया को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एलयू छात्र तुषार गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय से जुड़े छात्र तुषार राणा ने अपनी प्रतिभा का वह स्वर्णिम अध्याय लिखा है, जो उनकी कला की गहराई और समर्पण का प्रतीक है। उनकी अद्वितीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नृत्य-कला में दक्षता ने उन्हें गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के लिए चयनित कर एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। तुषार का यह चयन न केवल उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह संदेश है कि कला की शक्ति सीमाओं से परे होती है। गौरतलब है कि पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर में उनकी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीता था, इसी आधार पर उन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ। अब तुषार दिल्ली के कर्तव्य पथ पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरेंगे और गणतंत्र दिवस समारोह का हिस्सा बनेंगे। गणतंत्र

दिवस परेड में तुषार को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्रियों से भेंट का अद्वितीय सौभाग्य प्राप्त होगा। तुषार ने अपनी इस उपलब्धि को अपने गुरुजनों और परिवार को समर्पित किया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

लविवि का 15वां वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन सम्पन्न

शिक्षा में पूर्व छात्रों और उद्योग में भागीदारी पर जोर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग ने अपने 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन 2024 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम विभाग और इसके पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने, सीखने और स्मृतियों को ताजा करने का अवसर बना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने शिक्षा में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग के अनुभवों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विशिष्ट प्रोफेसर के पद पर उद्योग जगत के अनुभवी व्यक्तियों को नियुक्त करने पर ज़ोर दिया, ताकि पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की व्यावसायिक विशेषज्ञता का लाभ विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को मिल सके। प्रो.राय ने कहा, पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उनकी विशेषज्ञता और अनुभव शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने और विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। विभागों को पाठ्यक्रम निर्माण, अतिथि व्याख्यान और परियोजनाओं में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम में विभाग के पूर्व छात्र, शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्डः भूविज्ञान विभाग ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक और पूर्व छात्र प्रो.अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। प्रो.साहनी, जिन्हें नेशनल जियोसाइंस अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है, ने भूविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कारः इस वर्ष डॉ.धीरेज पांडे और डॉ.संजय गोपाल भारथरिया को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ.धीरेज पांडे, परमाणु खनिज निदेशालय के प्रबंध निदेशक, ने यूरेनियम और लिथियम जैसे खनिजों की खोज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ.संजय गोपाल भारथरिया, केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) के क्षेत्रीय निदेशक, ने राष्ट्रीय परियोजनाओं में अपनी भूमिका के लिए यह पुरस्कार प्राप्त किया।

शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कारः भूविज्ञान विभाग ने स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया। जिसमें कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने अदिति बाजपेई, रश्मि श्रीवास्तव, कल्याणी द्विवेदी, पिमांशिका और संकेत मिश्रा को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर हुए स्मृति कार्यक्रम में बीते सुनहरे पल में 50 और 25 वर्ष पुराने बैच के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे सभी में प्रेरणा और उत्साह का संचार हुआ। यह आयोजन भूविज्ञान विभाग की सफलता और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में किए गए प्रयासों का प्रतीक बना।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

शिक्षा में पूर्व छात्रों और उद्योग की भागीदारी अहम :प्रो. आलोक कुमार राय

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग ने आज अपने 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन लुग्डा 2024 का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन विभाग और इसके पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने, सीखने और स्मृतियों को ताजा करने का अवसर बना। कार्यक्रम में विभाग के पूर्व छात्र, शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, ने शिक्षा में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग के अनुभवों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विशिष्ट प्रोफेसर (प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस) के पद पर उद्योग जगत के अनुभवी कयक्तियों को नियुक्त करने पर जोर दिया, ताकि पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की व्यावसायिक विशेषज्ञता का लाभ विद्यार्थियों और शोधकताओं को मिल सके।

अपने संबोधन में प्रो. राय ने कहा, पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उनकी विशेषज्ञता और अनुभव शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने और विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। विभागों को पाठ्यक्रम निर्माण, अतिथि व्याख्यान और परियोजनाओं में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए।

भूविज्ञान विभाग ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक और पूर्व छात्र प्रो. अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। प्रो. साहनी, जिन्हें नेशनल जियोसाइंस अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है, ने भूविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस वर्ष डॉ. धीरेज पांडे और डॉ. संजय गोपाल भारथरिया को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. धीरेज पांडे परमाणु खनिज निदेशालय के प्रबंध निदेशक ने यूरेनियम और लिथियम जैसे खनिजों की खोज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. संजय गोपाल भारथरिया केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) के क्षेत्रीय निदेशक ने राष्ट्रीय परियोजनाओं में अपनी भूमिका के लिए यह पुरस्कार प्राप्त किया। विभाग ने स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। कुलपति प्रो. राय ने इन छात्रों को पुरस्कृत किया उनमें अदिति बाजपेई, रश्मि श्रीवास्तव, कल्याणी द्विवेदी, पिमांशिका एवं संकेत मिश्रा शामिल है।

कार्यक्रम के तहत ₹बीते सुनहरे पल₹ में 50 और 25 वर्ष पुराने बैच के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे सभी में प्रेरणा और उत्साह का संचार हुआ। यह आयोजन भूविज्ञान विभाग की सफलता और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में किए गए प्रयासों का प्रतीक बना।

दिव्यांग छात्रों की खेल शिक्षा में मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था हो : आनंदिता दास

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। खुन खुन जी गर्ल्स पी. जी. कॉलेज में रविवार व सोमवार तक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार जिसका शीर्षक एडवांस्ड पर्सपेक्टिव इन रिसर्च मेथाडोलॉजी : इवॉल्विंग कॉन्सेप्ट एंड इमर्जिंग एप्रोचेस का आयोजन किया गया।

सेमिनार के प्रथम दिन मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजीव चौधरी स्कूल ऑफ स्टडीस इन फिजिकल एजुकेशन, रवि शंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर, एवं आनंदिता दास एसोसिएट प्रोफेसर एल एल आई पी ई ग्वालियर रही।

सेमिनार के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजीव चौधरी जिन्होंने रिसर्च मेथाडोलॉजिस और बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस : टूल्स फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस पर अपने विचार रखें। इनके द्वारा शोध पत्रों के लेखन में सहायक तकनीकी बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस के महत्व की चर्चा की, तथा श्डर सॉफ्टवेयर से शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि पबमेड साइट से निःशुल्क डाटा शोधपत्र हेतु आसानी से लिया जा सकता है क

प्रथम सत्र की द्वितीय मुख्य वक्ता डॉक्टर आनंदिता दास जिन्होंने फिजिकल एजुकेशन फॉर ऑल : एडवांसिंग इंक्लूजिविटी थ्रू अडॉप्टेड फिजिकल एजुकेशन टू एजुकेटेड जर्नल एंड डायवर्स पापुलेशन शीर्षक के अंतर्गत अपनी बात रखी। इनके द्वारा पैराओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालयों में दिव्यांग छात्रों की खेल शिक्षा की मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था की जाने की बात कही। जिससे दिव्यांग छात्रों की सहभागिता खेलो विशेष कर ओलंपिक खेलों में बढ़ाई जा सके। सेमिनार के प्रथम सत्र को डॉ.सत्या मिश्रा, डॉ. ममता डोंगरा नारी शिक्षा निकेतन एवं डॉ रमेश यादव विद्यांत हिन्दू पी जी कॉलेज एवं डॉक्टर मनोज पांडेय लुआक्टा अध्यक्ष द्वारा संचालित किया गया। सेमिनार के द्वितीय ऑनलाइन सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. शिवेश शुक्ला डायरेक्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स नर्स मोंजे कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स मुंबई रहे। इनके द्वारा ₹आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड स्पोर्ट्स रिसर्चः शेपिंग द फ्यूचर का स्पोर्ट्स ₹विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए

30 से भी अधिक शोध पत्र पढ़े गए। सेमिनार की संयोजक प्रोफेसर चेतना सामंत तोमर ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की, प्राचार्या ने सभी का स्वागत किया। संचालन डॉ शालिनी शुक्ला द्वारा किया गया। प्रोफेसर रेशमा परवीन द्वारा आज के कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों एवं शोध छात्रों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। डॉ शगुन रोहतगी, डॉ मनीषा उपाध्याय, डॉ सुमन लता सिंह, डॉ प्रियंका, डॉ रुचि यादव, डॉ प्रीति सिंधी आदि ने सेमिनार आयोजन में सहयोग किया क संपूर्ण सेमिनार महाविद्यालय की प्रोफेसर अंशु केडिया के निर्देशन में संपन्न हुआ।

LOKSATYA PAGE 2

शिक्षा में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग ने 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन लुग्डा 2024 का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन विभाग और इसके पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने, सीखने और स्मृतियों को ताजा करने का अवसर बना। कार्यक्रम में विभाग के पूर्व छात्र, शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, ने शिक्षा में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग के अनुभवों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विशिष्ट प्रोफेसर (प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस) के पद पर उद्योग जगत के अनुभवी कयक्तियों को नियुक्त करने पर ज़ोर दिया, ताकि पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की व्यावसायिक विशेषज्ञता का लाभ विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को मिल सके। प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उनकी विशेषज्ञता और अनुभव शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने और विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। विभागों को पाठ्यक्रम निर्माण, अतिथि व्याख्यान और परियोजनाओं में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए।

सम्मेलन

● भूविज्ञान विभाग ने 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन लुग्डा 2024 का भव्य आयोजन